Bihar Board Class 12th Hindi Book Solutions Chapter 7 पुत्र वियोग

प्रश्न 1.
कवयित्री का खिलौना क्या है?
उत्तर-
कवयित्री का खिलौना उसका बेटा है। बच्चों को खिलौना प्रिय होता है। उसी प्रकार कवयित्री माँ के लिए उसका बेटा उसके जीवन का सर्वोत्तम उपहार है। इसलिए वह कवयित्र का खिलौना है।

प्रश्न 2.
कवयित्री स्वयं को असहाय और विवश क्यों कहती है?
उत्तर-
कवयित्री स्वयं को असहाय तथा विवश इसलिए कहती है कि उसने अपने बेटे की देख–भाल तथा उसके लालन–पालन पर अपना पूरा ध्यान केन्द्रित कर दिया। अपनी सुविधा असुविधा का कभी विचार नहीं किया। बेटा को ठंढ न लग जाए बीमार न पड़ जाए इसलिए सदैव उसे गोदी में रखा। इन सारी सावधानियों तथा मन्दिर में पूजा–अर्चना से वह अपने बेटे की असमय मृत्यु नहीं टाल सकी। नियमि के आगे किसी का वश नहीं चलता। अतः, वह स्वयं को असहाय तथा बेबस माँ कहती है।

प्रश्न 3.
पुत्र के लिए माँ क्या–क्या करती है?
उत्तर-
पुत्र के लिए माँ निजी सुख–दुख भूल जाती है। उसे अपनी सुख–सुविधा के विषय में सोचने की अवकाश नहीं रहता। वह बच्चे के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का पूरा ध्यान रखती है। बेटा को ठंढ़ न लग जाए अथवा बीमार न पड़ जाए, इसके लिए उसे सदैव गोद में लेकर उसका.. मनोरंजन करती रहती है। उसे लोरी–गीत सुनाकर सुलाती है। उसके लिए मन्दिरों में जाकर पूजा–अर्चना करती है तथा मन्नतें माँगती है।

प्रश्न 4.
अर्थ स्पष्ट करें–
आज दिशाएँ भी हँसती हैं
है उल्लास विश्व पर छाया
मेरा खोया हुआ खिलौना
अब तक मेरे पास न आया।
उत्तर-
आज सभी दिशाएँ पुलकित हैं, सर्वत्र प्रसन्नता छाई हुई है। सारे विश्व में उल्लास का वातावरण है। किन्तु मेरा (कवयित्री) खोया हुआ खिलौना अब मुझे प्राप्त नहीं हुआ। अर्थात् कवयित्री के पुत्र का निधन हो गया है। इस प्रकार वह उससे (कवयित्री) छिन गया है। यह उसकी व्यक्तिगत क्षति है। विश्व के अन्य लोग हर्षित हैं। सभी दिशाएँ भी उल्लासित (प्रमुदित) दिख रही हैं। किन्तु कवयित्री ने अपना बेटा खो दिया है। उसकी मृत्यु हो चुकी है। वह उद्विग्न है शोक विह्वल है। अपनी असंयमित मनोदशा में वह बेटा के वापस आने की प्रतीक्षा करती है और नहीं लौटकर आने पर निराश हो जाती है।

प्रश्न 5.
माँ के लिए अपना मन समझाना कब कठिन है और क्यों?
उत्तर-
माँ के लिए अपने मन को समझाना तब कठिन हो जाता है, जब वह अपना बेटा खो देती है। बेटा माँ की अमूल्य धरोहर होता है। बेटा माँ की आँखों का तारा होता है। माँ का सर्वस्व यदि क्रूर नियति द्वारा उससे छीन लिया जाता है उसके बेटे की मृत्यु हो जाती है तो माँ के लिए अपने मन को समझाना कठिन होता है।

प्रश्न 6.
पुत्र को 'छौना' कहने से क्या भाव हुआ है, इसे उद्घाटित करें।
उत्तर-
'छौना' का अर्थ होता हे हिरण आदि पशुओं का बच्चा 'पुत्र वियोग' शीर्षक कविता में कवयित्री ने 'छौना' शब्द का प्रयोग अपने बेटा के लिए किया है। हिरण अथवा बाघ का बच्चा बड़ा भोला तथा सुन्दर दिखता है। इसके अतिरिक्त चंचल तथा तेज भी होती है। अतः, कवयित्री द्वारा अपने बेटा को छौना कहने के पीछे यह विशेष अर्थ भी हो सकता है।

प्रश्न 7.
मर्म उद्घाटित करें–
भाई–बहिन भूल सकते हैं
पिता भले ही तुम्हें भुलाये
किन्तु रात–दिन की साथिन माँ
कैसे अपना मन समझाएँ।
उत्तर-
भाई तथा बहिन, अपने भाई को भूल जा सकते हैं। पिता भी अपने बेटे को विस्मृत कर सकता है, पर उसकी ममतामयी माँ जो सदैव उसके पास रहती है, गोद में लेकर मन बहलाती है। उसको सुलाने के लिए लोरी गीत सुनाती है, वह माँ अपने बेटा को नहीं भूल सकती है। वह तो सदैव एक सच्चे साथी के समान, उसके पास सदैव रही है। उसको दिन रात गोदी में लेकर मन बहलाती रही है। अतः, वे बेटा को मौत के बाद अपने मन को कैसे समझाए।

प्रश्न 8.
कविता का भावार्थ संक्षेप में लिखिए।
उत्तर-
'पुत्र वियोग' शीर्षक कविता में अपने बेटे की मौत के बाद उसकी शोकाकुल माँ के मन में उठनेवाले अनेक निराशाजनक तथा असंयमित विचार तथा उससे उपजी विषादपूर्ण मन:स्थिति का उद्घाटित किया गया। कवयित्री अपने बेटे के आकस्मिक तथा अप्रत्याशित निधन से मानसिक तौर पर अशान्त है। वह अपनी विगत स्मृतियों को याद कर उद्विग्न है। एक माँ के हृदय में उठनेवाले झंझावत की वह स्वयं भुक्तभोगी है। कविता में कवयित्री द्वारा नितांत मनोवैज्ञानिक तथा स्वाभाविक चित्रण किया गया है।

बेटा की मौत से कवयित्री विषाद के गहरे सदमे में डूबी है–उसका प्यारा बेटा अब उसे दूर चला गया है। उसने उसे दिन–रात गोद में लेकर ठंड तथा रोग से बचाया, लोरियाँ सुनाकर उसे सुलाया। उसके लिए मंदिरों में पूजा–अर्चना की, मन्नतें मांगी। किन्तु ये सारे प्रयास निरर्थक हो गए। अब वह दुखी माँ एक पल के लिए भी अपने बेटा का

https://www.evidyarthi.in/

मुख देखना चाहती है उसे अपनी छाती से चिपकाकर स्नेह को वर्षा करना चाहती है, उससे बातचीत कर कुछ समझाना चाहती है। शोकाकुल कवयित्री (माँ) भावावेश में इतनी असंयमित हो जाती है कि वह अपने मृत बेटा को संबोधित करते हुए यहाँ तक कहती है–अब तुम सदा मेरे पास रहो, मुझे छोड़ कर मत जाओ।

वस्तुतः कवयित्री ने अपने बेटे की मौत से उपजे दु:खिया माँ के शोकपूर्ण उद्गारों का स्वाभाविक एवं मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया है। ऐसी युक्तियुक्तपूर्ण एवं मार्मिक प्रस्तुति अन्यत्र दुर्लभ है। महादेवी वर्मा की एक मार्मिक कविता इस प्रकार है, जो माँ की ममता को प्रतिबंधित करती है, आँचल में है दूध और आँखों में पानी।

प्रश्न 9.
इस कविता को पढ़ने पर आपके मन पर क्या प्रभाव पड़ा, उसे लिखिए।
उत्तर-
'पुत्र वियोग' कविता में कवयित्री ने अपने बेटा की मृत्यु तथा उससे उपज विवाद की अभिव्यक्ति की है। कवयित्री की विरह–वेदना, अतीत के पृष्ठों को उलटते हुए विगत की स्मृतियों को दुहराना पाठक के मन में करुणा विषाद की रेखा खींच देती है। उसकी (पाठक) की भावनाएँ कवयित्री (माँ) के शोकाकुल क्षणों में अपनी संवेदना प्रकट करती दिखती है।

मेरे मन में भी कुछ इसी प्रकार के मनोभावों का आना स्वाभाविक है। किसका 'हृदय संवेदना से नहीं भर उठेगा? कौन कवयित्री के शोकोद्गारों की गहराई में गए बिना रहेगा।

एक माँ का अपने बेटे को दिन रात देखभाल करना बीमारी, ठंड आदि से रक्षा के लिए उसे गोदी में खेलाते रहना। स्वयं रात में जागकर उसे लोरी सुनाकर सुलाना ! अपने दाम्पत्य जीवन को खुशी को संतान पर केन्द्रित करना। अंत में नियति के क्रूर चक्र की चपेट में बेटा की मौत। इन सारे घटनाक्रमों से मैं मानसिक रूप से अशांत हो गया। मुझे ऐसा अहसास हुआ जैसे यह त्रासदी मेरे साथ हुई। कविता में कवयित्री ने अपनी सम्पूर्ण संवेदना को उड़ेल दिया है, करुणा उमड़ पड़ी तथा असहाय दर्द की अनुभूति होती है।

भाषा की बात

प्रश्न 1.
सुभद्रा कुमारी चौहान की काव्य–भाषा पर संक्षिपत टिप्पणी लिखें।
उत्तर-
सुभद्रा कुमारी चौहान की काव्य–भाषा यथार्थनिष्ठा राष्ट्रीय भावधारा है। वे अपने समकालीन छायावादी काव्यधरा के समान्तर रूप से काव्य रचना करनेवाली राष्ट्रीय भावधारा की प्रमुख और विशिष्ट कवयित्र थी। उनकी इस भावधारा के मूल में सामाजिक, राजनीतिक यथार्थ की प्रेरणाएँ और आग्रह थे।

प्रश्न 2.
कविता से सर्वनाम शब्दों को चुनें।
उत्तर-
मेरा खोया हुआ खिलौना, अबतक न मेरे पास आया।

प्रश्न 3.
'मलिनता' में 'ता' प्रत्यय है। 'ता' प्रत्यय के योग से पाँच अन्य शब्द बनाएँ।
उत्तर-
मानवता, आवश्यकता, दानवता, मनुष्यता, सरलता।

प्रश्न 4.
इनके विपरीतार्थक शब्द लिखें–
मलिनता, देव, असहाय, जटिल, नीरस, कठिन, विकल।
उत्तर-

- शब्द विपरीतार्थक
- मलिनता – स्वच्छता
- देव – दानव
- असहाय – समर्थ
- जटिल – सरल
- नीरस – सरस
- कठिन – सरल
- विकल – अविकल

प्रश्न 5.
वाक्य प्रयोग द्वारा इन मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करें
(क) आँखों में रात बिताना
(खं) शीश नवाना
उत्तर-
(क) आँखों में रात बिताना–(राज भर जागना)–माताएँ अपने बच्चों के लिए आँखों में रात बिता देती है।
(ख) शीश नवाना (आदर करना, प्रणाम करना)–मोहन ने अपने गुरु के सामने शीश नवाया।

प्रश्न 6.
निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखें गोद, छौना, बहन, विश्व, दूध।।
उत्तर-

- शब्द समानार्थी शब्द
- गोद – अंक
- छौना – बालक, शावक
- बहन – भगिनी
- विश्व – जगत, संसार
- दूध – पय, सुधा

प्रश्न 7.
'उल्लास' शब्द का सन्धि–विच्छेद्र करें।
उत्तर-
उल्लास = उत् + लास

https://www.evidyarthi.in/